सिनेमा से

● रिपोर्टर

सास नीता अंबानी का हाथ थाम छोटी बहू राधिका दिखा गई तेवर

मुंबई। देश के सबसे रईस परिवारों में शुमार अंबानी फैमिली एक बार फिर अपने स्टाइल से सुर्खियों में छा गई। सभी हृष्टष्ट में एक इवेंट में पहुंचे, जहां हीरे-पन्ने में लदी घर की बेटी और बहुओं के साथ नीता अंबानी बाजी मार गईं। सभी ने अपना वेस्टर्न अवतार दिखाया, लेकिन छोटी बहू का अंदाज बाकियों से अलग था।

अंबानी परिवार अपने लग्जरी फैशन और स्टाइल के लिए अलग पहचान रखता है। अब चाहे घर की शादी हो या फिर कोई इवेंट, घर के हर सदस्य का एक से बढ़कर एक फैशनेबल अंदाज देखने को मिलता है। यही तो वजह है कि बॉलीवुड सितारों को भी मात देकर वे फैशन आइकन के रूप जाने जाते हैं।

'कुत्ते की तरह सो रहे', अभिजीत भट्टाचार्य ने सलमान को बताया 'ठरकी' और 'दारूबाज'?

मुंबई। एक इंटरव्यू में, गायक अभिजीत भट्टाचार्य ने सलमान खान पर विवादित टिप्पणी की। एक्टर का नाम लिए बिना उन्हें 'ठरकी' और 'दारूबाज' कहा। उन्होंने सलमान के हिट एंड रन मामले में अपने कथित समर्थन का खंडन किया, यह कहते हुए कि उन्होंने केवल सड़क पर सोने के खतरों पर कमेंट किया था। बॉलीवुड सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य ने एक इंटरव्यू में सलमान खान और शाहरुख खान के बारे में काफी कुछ कहा है। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने 'टाइगर' एक्टर का नाम लिए बिना उन्हें 'ठरकी' और 'दारूबाज' कहा है। पहले तो उन्होंने कहा कि सलमान के बारे में बात करने लायक कुछ नहीं है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है में आएगा नया ट्विस्ट

अभिरा लेगी अरमान से तलाक!

● मंथन संवाददाता

मुंबई। स्टार प्लस का शो ये रिश्ता क्या कहलाता है के हाल ही के ट्विस्ट में, अभिरा (समृद्धि शुक्ला) और अरमान (रोहित पुरोहित) एक मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, जहां उन्हें दक्ष की सच्चाई सामने आने के बाद के हालात का सामना करना पड़ रहा है। शो की कहानी इस वक्त अभिरा, अरमान और रूही के इर्द-गिर्द घूम रही है। अभिरा को पता चलता है कि दक्ष रूही और रोहित का बच्चा है। ये सच्चाई जानकर अभिरा टूट जाती है, क्योंकि उसे लगता है कि अरमान ने उसके भरोसे को तोड़ा है। दिल टूटने के बाद, अभिरा अरमान को तलाक का नोटिस भेजने का फैसला करती है, जिससे उनके रिश्ते में बड़ा मोड़ आ जाता है। इसी बीच, दादी सा बीच में आती हैं और अरमान को 8 दिन का चैलेंज देती हैं कि वह अभिरा को मना ले, वरना उनके अलग होने के नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

जैसे ही अरमान अभिरा का भरोसा और प्यार वापस पाने की कोशिश करता है, फैंस के मन में एक बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है- ये 8 दिन अरमान के लिए क्या लेकर आएंगे? क्या वह अभिरा और अपने रिश्ते की टूटी डोर को फिर से जोड़ पाएगा, या ये चैलेंज अंत में अभिरा को उनका रिश्ता हमेशा के लिए खत्म करने का फैसला लेने पर मजबूर कर देगा? दूसरी तरफ, अभिरा भावनाओं के तूफान से गुजर रही है। धोखे का दर्द उसे सिर्फ अरमान की हरकतों से नहीं, बल्कि उस सच से भी मिल रहा है जिसने उसकी जिंदगी को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। अभिरा इस धोखे के सदमे से उबरने की कोशिश कर रही है, और दर्शक सोच रहे हैं कि क्या वो कभी ठीक हो पाएगी या फिर ये जख्म इतने गहरे हैं कि भर ही नहीं पाएंगे।

अनोखी खबरें

2000 साल पुरानी डरावनी ममी की नसों में है खून

चीन में मिली 2000 साल पुरानी ममी को देख वैज्ञानिक भी हैरान हैं। इस ममी की खासियत यह है कि वर्षों बाद भी मृत महिला के अंग अब भी सही सलामत हैं। दुनियाभर से ममी को लेकर तरह-तरह की कहानियां सुनने को मिलती रहती हैं लेकिन चीन की जिस ममी की बात हम कर रहे हैं उसे देख वैज्ञानिक भी हैरान रह गए। दरअसल, यह ममी 2000 साल पुरानी है लेकिन अब भी शरीर के लगभग सभी अंग सही सलामत हैं। यह ममी चीन की एक महिला की है। ऐसा दावा किया जा रहा है। चीनी महिला का नाम 'द लेडी ऑफ दई' या शिन झुई बताया गया है। चीनी मीडिया के अनुसार, इस महिला की मौत 178 से 145 ईसा पूर्व के बीच हुई थी। हालांकि, वैज्ञानिकों को हैरानी साल 1971 में हुई, जब दुर्घटनावश इस महिला की कब्र की खोज हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने पाया कि मृत महिला के अंग सही सलामत हैं। महिला की आंखें भी जुड़ी हुई थी। उसकी नसों में अभी खून बना हुआ था।

अब तक की सबसे सुरक्षित ममी: कब्र के पास रखी चीजों को देख अंदाजा लगाया जा सकता था कि मृत महिला बेहद ही संपन्न परिवार की रही होगी। यह अब तक की सबसे सुरक्षित ममी बताई जा रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि उन्होंने पाया कि मृत महिला के पेट और आंतों में तरबूज के बीज है। ऐसे में उन्होंने अनुमान लगाया कि मौत से ठीक पहले महिला ने तरबूज खाया होगा। हालांकि, वैज्ञानिकों के लिए अब भी यह रिसर्च का विषय बना हुआ है कि 2 हजार साल बाद भी महिला का शव सुरक्षित कैसे है। वैज्ञानिक इस रहस्य को सुलझाने के लिए अब भी काम कर रहे हैं।

मिस्र में मिली थी सबसे पुरानी ममी: इससे पहले मिस्र में सबसे पुरानी ममी की खोज का दावा किया जा चुका है। यहां पुरातत्व विशेषज्ञों के मुताबिक, 4300 साल पुरानी ममी की खोज हुई थी।

भारी सुरक्षा के बीच भी गायब हो गए अमेरिका के 3 परमाणु बम, आज तक नहीं लग सका सुराग

अमेरिका की बात करें तो उसने अपने ज्यादातर परमाणु हथियारों को पांच राज्यों में 80 फुट गहराई में पनडुब्बियों के भीतर रखा है। बाकी हथियार एयर फोर्स के बेस में वेपन स्टोरेज एंड सिक्योरिटी सिस्टम के तहत ऐसे कमरों में रखे हुए हैं, जहां तक पहुंचना लगभग नामुमकिन है। इसमें सैन्य सुरक्षा भी होती है और तकनीकी सुरक्षा भी। वॉल्ट तक पहुंचने के लिए पासवर्ड्स के कई घेरे होते हैं, जिन्हें तोड़ा नहीं जा सकता। कड़ी सुरक्षा के बावजूद परमाणु हथियार गायब होते रहे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से लेकर शीत युद्ध के दौरान न्यूक्लियर वेपन्स से जुड़े हादसे लगातार बढ़ते गए। यहां तक कि इसे बाकायदा एक नाम दे दिया गया। इन घटनाओं को ब्रोकेन एरोज कहा जाता है। अब तक ब्रोकन एरोज की कुल 32 घटनाएं हो चुकीं। इसमें किसी हथियार का एक्सिडेंटली लॉन्च हो जाना भी शामिल है और खो जाना भी। पचास के दशक से लेकर अब तक 6 न्यूक्लियर वेपन गायब हुए, जिनमें से 3 का अब तक पता नहीं लग सका। 5 फरवरी 1958 को जॉर्जिया के टीबी आईलैंड में गिरा मार्क 15 थर्मोन्यूक्लियर बम आज तक नहीं मिल सका। गिराए जाने के बाद जब खोजा गया तो वेपन गायब था। इसकी खोज में कई सीक्रेट मिशन चले। यहां तक कि पानी के भीतर सोनार डिवाइस की भी मदद ली गई ताकि तरंगें पकड़ी जा सकें, लेकिन बम का कहीं पता नहीं लग सका।

खेल-खिलाड़ी

वीमेंस क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास, तूफानी पारी से तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

वडोदरा। वीमेंस क्रिकेट में भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का आगाज हो चुका है। टीम इंडिया वडोदरा वनडे में नई जर्सी में दिखाई दी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 314 रन बनाए। इस दौरान स्मृति मंधाना ने 91 रनों की पारी खेली। वहीं हरमनप्रीत ने 34 रनों की छोटी और अहम पारी खेली। उन्होंने इस पारी के दौरान एक खास रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरमनप्रीत ने कई खिलाड़ियों को पछाड़ा। हरमनप्रीत ने वीमेंस वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विश्व की कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ा है। हरमन ने अब तक खेले 139 मैचों में 3749 रन बनाए हैं। इस दौरान 6 शतक और 19 अर्धशतक लगाए हैं। वे ओवर ऑल लिस्ट में 19वें नंबर पर हैं। लेकिन हरमनप्रीत ने वेस्टइंडीज खिलाड़ी डिएंड्रा डॉटिन को पीछे छोड़ दिया है। डॉटिन ने 3735 रन बनाए हैं। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट भी पीछे रह गई हैं। उन्होंने 3696 रन बनाए हैं।

हरमनप्रीत ने बतौर कप्तान पूरे किए 1000 वनडे रन -हरमनप्रीत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने बतौर कप्तान वनडे में 1000 रन पूरे कर लिए हैं। हरमनप्रीत ने वडोदरा वनडे में भारत के लिए 23 गेंदों का सामना करते हुए 34 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 चौके और 1 छक्का शामिल रहा।

मंधाना ने बरसाए रन - स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ओपनिंग करने आई थीं। इस दौरान दोनों ने अच्छी बैटिंग की।

पाकिस्तान ने रचा इतिहास

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को डकवर्थ लुइस नियम के तहत 36 रनों से हरा जीत हासिल की

पाकिस्तान ने बदल दिया साउथ अफ्रीका का इतिहास, तीसरा वनडे जीत वो किया जो अभी तक नहीं हुआ

● मंथन विदेश ब्यूरो

स्पोर्ट डेस्क। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने रविवार रात को खेले गए तीसरे वनडे मैच में मेजबान साउथ अफ्रीका को डकवर्थ लुइस नियम के तहत 36 रनों से हरा मैच अपने नाम किया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम करते हुए इतिहास रच दिया। वांडरर्स स्टेडियम में खेले गए मैच में पाकिस्तान ने सइम अयूब की बेहतरीन बल्लेबाजी के बाद सूफियान मुकीम की शानदार गेंदबाजी के दम पर ये जीत हासिल की। ये पहली बार है जब साउथ अफ्रीका को किसी टीम ने उसके ही घर में द्विपक्षीय वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप किया है।

पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका को उसके घर में क्लीन स्वीप करने वाली पहली टीम बनी है। बारिश के कारण ये मैच 47 ओवर प्रति पारी का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने नौ विकेट खोकर 308 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की टीम 271 रन ही बना सकी और मैच हार गई। अयूब को उनकी बेहतरीन शतकीय पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 94 गेंदों पर 101 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने 13 चौके और दो छक्के शामिल रहे।

साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज लड़खड़ाए

साउथ अफ्रीका के कप्तान एक बार फिर फेल रहे। उन्हें नसीम शाह ने अयूब के हाथों कैच कराया। दूसरे सलामी बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी को शाहीन शाह अफरीदी ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। एडेन मार्करम को सूफियान मुकीम ने अपना पहला शिकार बनाते हुए साउथ अफ्रीका को तीसरा झटका दिया। मार्करम ने 19 रन ही बनाए। हेनरिक क्लासेन का बल्ला एक बार फिर चला और उन्होंने एक छोर से तेजी से रन बनाए। हालांकि, इस बार भी उन्हें दूसरे छोर से समर्थन नहीं मिला। डेविड मिलर तीन रन ही बना सके। मार्को यानसेन 26 रन बनाकर आउट हो गए। क्लासेन को शाहीन ने अपना शिकार बनाया। उन्होंने 43 गेंदों पर 12 चौके और दो छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। कोर्बिन बोश्च 40 रन बनाकर नाबाद रहे लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।पाकिस्तान के लिए मुकीम ने चार विकेट लिए। अफरीदी और नसीम के हिस्से दो-दो विकेट आए। मोहम्मद हसनैन और अयूब के हिस्से एक-एक सफलता आई।

पाकिस्तान की दमदार बल्लेबाजी

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही थी। अबदुल्ला शफीक गोल्डन डक का शिकार हो गए थे।

पाकिस्तान ने छोड़ा दुबई वाला 'भूत'... भारत से चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल की बेइज्जती का यूं लेगा बदला?

● मंथन विदेश ब्यूरो

कराची। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के अपने ग्रुप चरण के मैचों को दुबई में खेलेगा और रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम अगर नॉकआउट चरण में पहुंची तो इसका सेमीफाइनल और फाइनल भी यूएई में आयोजित किया जाएगा। पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने पुष्टि की कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और उनके यूएई समकक्ष शेख नाहयान अल मुबारक के बीच एक बैठक के बाद दुबई को तटस्थ स्थल के रूप में चुना गया था। शेख नाहयान मौजूदा समय में सिंध के घोटकी क्षेत्र में छुट्टियां मना रहे हैं। नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं।

दुबई स्टेडियम भारत के लिए पनौती: रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि शेड्यूल के अनुसार, भारत 20 फरवरी को बांग्लादेश, 23

फरवरी को पाकिस्तान और 2 मार्च को न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। ये सभी मैच दुबई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। यूएई में वैसे तो कई स्टेडियम हैं, लेकिन आंकड़े के हिसाब से भारत के लिए सबसे अनलकी दुबई स्टेडियम है और रोचक बात है कि पाकिस्तान ने भारत के मुकाबलों के लिए इसी स्टेडियम को चुना है। इसी मैदान पर विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम को टी20 विश्व कप 2021 में न्यूजीलैंड से 8 विकेट और पाकिस्तान से 10 विकेट से हार मिली थी। इसके बाद उसे अपनी ही मेजबानी वाले टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाने का शर्म झेलना पड़ा था। यह भी संभव है कि पाकिस्तान ने इस 'भूत' को भी ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया हो।

नकवी ने शेख नाहयान से मिलकर प्लान किया तैयार

खैर, नकवी ने शेख नाहयान के साथ मुलाकात कर पाकिस्तान की मेजबानी में खेले जाने वाले टूर्नामेंट के प्रशासनिक मामलों को अंतिम रूप दिया। चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर बृहस्पतिवार को गतिरोध आखिरकार खत्म हो गया जब आईसीसी ने घोषणा की कि भारत 50 ओवर के टूर्नामेंट के अपने मैच मेजबान देश पाकिस्तान के बजाय तटस्थ स्थान पर खेलेगा।

बुमराह से निपटने के लिए 19 साल के लड़के को ऑस्ट्रेलिया ने किया तैयार

मेलबर्न। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेजबान टीम के नाक में दम कर रखा है। बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भी ऑस्ट्रेलिया का खेमा इस धुरंधर से निपटने का तोड़ निकालने में लगा है। 19 साल के बल्लेबाज सैम कोंस्टास भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए दुनिया के सबसे घातक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से निपटने की रणनीति बना रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैच की सीरीज अभी 1-1 से बराबर है। चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से खेला जाएगा। कोंस्टास ने कहा, ''मैंने बुमराह से निपटने के लिए रणनीति तैयार कर ली है लेकिन यहां मैं उसका खुलासा नहीं करूंगा। मैं गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करूंगा।''